



Mr.



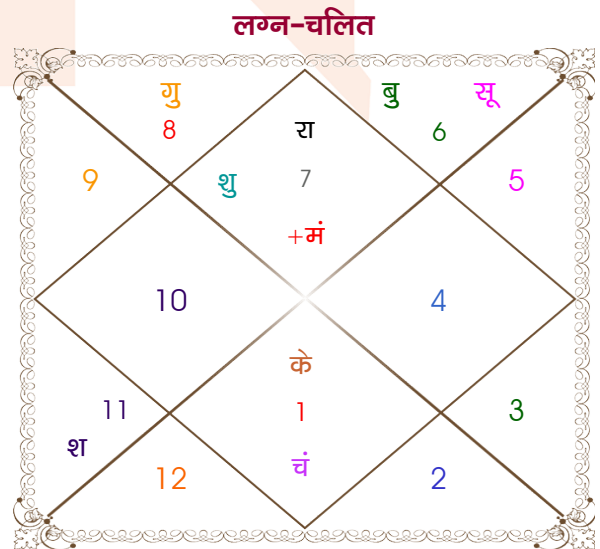
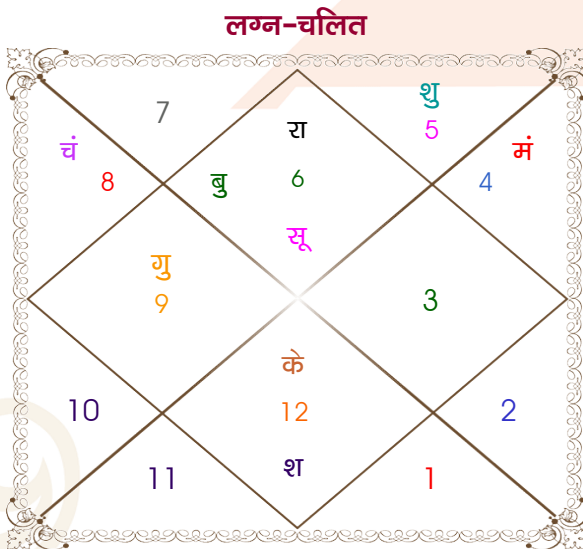
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119848905

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 15-16/10/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 11/10/1995
 मंगल-बुधवार : _____ दिन _____ : बुधवार
 घंटे 05:55:00 : _____ जन्म समय _____ : 07:53:00 घंटे
 घटी 58:48:43 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 03:51:48 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Theog : _____ स्थान _____ : Rohru
 31:07:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 31:12:00 उत्तर
 77:21:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:45:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:20:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:00 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:23:30 : _____ सूर्योदय _____ : 06:18:43
 17:47:44 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:52:42
 23:48:45 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:00

विंशोत्तरी शनि 8वर्ष 3मा 4दि केतु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 6वर्ष 11मा 18दि राहु
20/01/2022	22:03:28	कन्या	लग्न	तुला	12:45:03	29/09/2025
20/01/2029	29:06:39	कन्या	सूर्य	कन्या	23:30:05	29/09/2043
केतु	10:52:04	वृश्चि	चंद्र	मेष	22:01:17	राहु
शुक्र	28:04:32	कर्क	मंगल	तुला	29:15:59	11/06/2028
सूर्य	17:24:25	कन्या	बुध व	कन्या	11:58:43	गुरु
चन्द्र	16:44:08	धनु	गुरु	वृश्चि	18:18:18	10/11/2030
मंगल	20:04:52	सिंह	शुक्र	तुला	07:09:48	शनि
राहु	08:42:10	मीन व	शनि व	कुंभ	25:37:21	30/03/2036
गुरु	14:08:55	कन्या व	राहु	तुला	02:40:20	केतु
शनि	14:08:55	मीन व	केतु	मेष	02:40:20	17/04/2037
बुध	06:50:41	मक	हर्ष	मक	02:44:05	शुक्र
	01:11:19	मक	नेप	धनु	28:59:03	17/04/2040
	07:41:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	05:05:37	सूर्य
						12/03/2041
						चन्द्र
						11/09/2042
						मंगल
						29/09/2043



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा। न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. की कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्। तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. की कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

